पब्लिक सेक्टर सपोर्ट (पीएसएस)

पब्लिक सेक्टर सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार

मैरी स्टोप्स इंटरनेशनल (एमएसआई) से संबंधित, फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया), सूदूर इलाकों में आधुनिक परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराता है। अपने मिशन के तहत, एफआरएचएस इंडिया के पब्लिक सेक्टर सपोर्ट मॉडल का उद्देश्य फिक्स्ड डे पर चुने गए स्वास्थ्य केंद्रों में नसबंदी सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए मदद करना है। इस उद्देश्य के तहत एफआरएचएस इंडिया सरकारी स्वास्थ्य कर्मचारियों की क्षमता निर्माण कर उनकी मदद करता है।

इस मॉडल के ज़रिये एफआरएचएस इंडिया का उद्देश्य राजस्थान के नौ जिलों में चिन्हित स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन सेवाओं की सुविधा और गुणवत्ता सुधारना है।

पृष्ठभूमि

राजस्थान में गर्भनिरोधक के लिए कुल अनमेट नीड (12.3%) और टोटल फर्टिलिटी रेट (2.4)[1] बहुत अधिक है, इसलिए यह राज्य परिवार नियोजन के कार्यान्वयन के लिए हाई फोकस राज्यों में गिना जाता है। अधिकतर महिलाएं, जिन्हें स्थायी परिवार नियोजन उपायों की आवश्यकता होती है, वे अपनी इच्छित सेवाएं सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सा केंद्रों से लेती हैं। इन केंद्रों में से अधिकतर में संसाधन कम है, मामले अधिक आते हैं तथा स्टाफ की भी कमी होती है। परामर्श, संक्रमण रोकने के तरीके (इन्फेक्शन प्रिवेंशन),

पीएसएस कैसे काम करते हैं

पब्लिक सेक्टर सपोर्ट मॉडल के माध्यम से एफआरएचएस इंडिया सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन सेवाओं को सशक्त बनाने और उनकी गुणवत्ता को सतत बनाए रखने के लिए रणनीतिक तकनीकी सहयोग देता है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों की साझेदारी में एफआरएचएस इंडिया राजस्थान के नौ जिलों में 74 स्थानों पर इस मॉडल को कार्यान्वित कर रहा है। इस कार्य के लिए एफआरएचएस इंडिया ने तीन परामर्श पर्यवेक्षक और 10 नर्सें राज्य के नौ ज़िलों में तैनात की है। परामर्श पर्यवेक्षक सरकारी परामर्शदाताओं को मदद करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थियों को परिवार नियोजन के विभिन्न तरीकों के बारे में परामर्श दिया जाए और वे सूचित निर्णय लेने योग्य हो सकें। नर्सें संपूर्ण फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) प्रबंधन सहायता, इन्फेक्शन प्रिवेंशन और चिकित्सकीय आपात स्थिति के क्षेत्र में सहायता देती हैं और ऑपरेशन थिएटर स्टाफ को भी आवश्यकता पड़ने पर मदद करती है।

आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयारी, उपकरणों की स्थिति और फॉलो–अप में अक्सर कमी देखने में आती है, जिसके कारण देखभाल की संपूर्ण गुणवत्ता पर असर पड़ता है। एफआरएचएस इंडिया राजस्थान में चिन्हित सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रों में स्टाफ की क्षमता वृद्धि के लिए कार्य करता है, उन्हें संक्रमण बचाव, काउंसलिंग और इमरजेन्सी मैनेज़मेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोगी पर्यवेक्षण प्रदान करता है। हमारी टीम सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार और भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करती है।

Source: [1]International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF. 2017. National Family Health Survey (NFHS-4), 2015-16: India. Mumbai: IIPS.

इस मॉडल में शामिल है:

- कमियों की पहचान करने और स्थल के स्टाफ से सलाह करके उस कमी को दूर करने के उपायों की कार्ययोजना तैयार करने के लिए आंकलन किया जाता है
- चिकित्सा केंद्रों के स्टाफ का क्षमतावर्द्धन और आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण किया जाता है
- चिकित्सा केंद्रों के स्तर पर क्वालिटी सर्किल बनाने में मदद और कमी की पहचान और कार्ययोजना में हुई प्रगति को मापने के लिए स्टाफ की बैठक आयोजित की जाती है
- जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी अश्योरेंस कमिटी/जिला स्वास्थ्य समिति की बैठकों के माध्यम से वकालत की जाती है ताकि चिकित्सा केंद्रों के स्तर पर आ रही कठिनाइयों को दूर किया जा सके
- राज्य और जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ साक्ष्य आधारित वकालत की जाती है ताकि राज्य पोशित कार्यक्रमों में बेहतर आदतों को शामिल किया जा सके
- सेवा प्रदाताओं के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से क्लिनिकल/तकनीकी संचालन को मज़बूत बनाया जाता है

प्रदत्त सहायता

पब्लिक सेक्टर सपोर्ट चैनल के माध्यम से एफआरएचएस इंडिया सेवा के निम्नलिखित चार प्रमुख क्षेत्रों को सशक्त करना चाहता है:

- इन्फेक्शन प्रिवेंशन
- काउंसलिंग
- इमरजेन्सी मैनेज़मेंट
- क्लाइंट–केंद्रित एवं फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) प्रबंधन

हमारी पहुँच

74
पब्लिक सेक्टर सपोर्ट क्षेत्र

9
जिले राजस्थान के कवर किए जा रहे हैं

प्रभाव

पीएसएस मॉडल के माध्यम से सरकार नीत सेवाओं को हमारे द्वारा जनवरी–दिसम्बर 2019 के दौरान दिए सहयोग से:

15,126 महिलाओं को नसबंदी सेवा प्रदान की

1,47,479 कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

परामर्श सुविधा में सुधार

राजस्थान में पुष्कर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कोई अलग परामर्श कक्ष नहीं था। एकांत की कमी के कारण महिलाएं अपनी स्वास्थ्य चिंताएं बताने में झिझक और असहजता महसूस करती थीं। परिणामस्वरूप परामर्शदाता महिलाओं को पर्याप्त सलाह और ध्यान नहीं दे पाती थी। एफआरएचएस इंडिया की परामर्श पर्यवेक्षक के सहयोग से परामर्शदाता को क्लाइंट–केंद्रित पारस्परिक संचार व परामर्श प्रशिक्षण दिया गया। परामर्शदाता को संचार सुविधा मुहैया कराई गई और समर्पित परामर्श कोना स्थापित किया गया। परामर्शदाता के अलावा केंद्र के प्रभारी और दूसरे संबंधित हितधारकों को केंद्र स्तर पर परामर्श के महत्व पर संवेदित किया गया। पुष्कर सीएचसी के प्रभारी डॉ. महेश दर्शन कालरा ने कहा कि ''पहले एकान्त परामर्श केंद्र न होने से महिलाओं को परेशानी होती थी। हालांकि जबसे हमने अलग से एक परामर्श कोना बनाया है, तबसे प्राप्त होने वाली सूचनाओं में बढ़ोतरी हुई है और महिलाएं अपनी चिंताओं को साझा करने में अधिक सहज महसूस करती हैं।''

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in
मुख्यालय: बी–37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली – 110049, फोन: +91 11 49840000, वेबसाइट: http://www.frhsi.org.in/
हमें फेसबुक पर फॉलो करें: @FoundationforReproHealthServicesIndia, @PratigyaRights